# बी. जी. सराफ चेरिटेबल ट्रस्ट

(निर्मल – पुरस्कार के संस्थापक )
19, श्रीनगर कॉलोनी, बुरहानपुर 450 331 टेलि. न. 254439

बुरहानपुर मध्यप्रदेश का एक विकसित शहर है यहा लगभग 30 हजार गुजराती निवास करते है, उनकी मातृ भाषा गुजराती है परन्तु हिन्दी मुख्य भाषा है। स्वर्गीय बालकीसनदास जी श्रॉफ हिन्दी साहित्य मे गुजराती के समानान्तर ही रुचि रखते थे, अतः उनकी स्मृति में संस्था द्वारा निर्मल पुरस्कार की स्थापना 1994 मे की गई प्रारंभ मे इसका क्षेत्र सिर्फ मध्यप्रदेश ही था प्रति दो वर्ष पश्चात रुपये 11000/– नगदी स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र के द्वारा साहीत्यकार को, सम्मान सभा आयोजित कर सम्मानित किया जाता है। वर्ष 1999 से इसका क्षेत्र महाराष्ट्र भी किया गया एवं वर्ष 2003 से गुजरात को भी सम्मिलित किया गया है।

कविता एवं अनुवाद को छोडकर हिन्दी साहीत्य की सभी गद्य विद्या मान्य है प्रकाशित पुस्तक के रुप में मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, महारास्ट्र एवं गुजरात के मुल निवासी लेखक को सम्मानित किया जावेगा, पुरस्कार की राशि भी बढाकर 15000/– कर दी गई है। अभी तक निम्नानुसार साहीत्यकार सम्मानित किये जा चुके है :–

| वर्ष | लेखक | कृति | कार्यक्रम स्थल |
|---|---|---|---|
| 1995 | स्व. श्री चन्द्रशेखर दुबे (इन्दौर ) | ""धापु"" | बुरहानपुर |
| 1997 | श्री विरेन्द्रजी जैन (गुना) | "पंचनामा" | बुरहानपुर |
| 1999 | श्री श्रीराम परीहार (खंडवा) | "धुप का अवसाद" | बुरहानपुर |
| 2001 | श्री सतीष जी दुबे (इन्दौर ) | "जो आग है " | इन्दौर |
| 2003 | श्री गोविंद कुमार गुंजन (खंडवा) | "कपास का फुल" | धुलिया |
| 2005 | .श्रीमती उर्मिला शिरीष भोपाल | "सभ्यता की तितली<br>"निर्वासन " | बडौदा |

इस पुरस्कार का उद्देश्य हिन्दी साहित्य को बढावा देना मात्र है एवं चारो प्रदेश के नवोदित साहित्यकारो को राष्ट्रीय मंच पर उभरना एवं उकेरना है।